S-216 Roll No. ……..

CAHC–02

जड़ी-बूटियों का संरक्षण, भण्डारण एवं व्यवसायीकरण

Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation
(CAHC-10/16/17)

Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्तराखण्ड में जड़ी-बूटी संग्रहण एवं विपणन की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए।
2. औषधीय पौधों की कायिक प्रवर्धन विधियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. जड़ी-बूटी संग्रहण केन्द्र की कार्यप्रणाली पर एक आलेख लिखिए।
4. भारत में जड़ी-बूटियों की विपणन व्यवस्था एवं आयात-निर्यात पर एक आलेख लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड द्वारा प्रोत्साहित किए जा रहे किन्हीं दस औषधीय पौधों के हिन्दी व वानस्पतिक नामों का वर्णन कीजिए।
2. बीज परीक्षण विधियों का वर्णन कीजिए।
3. ऑर्गेनिक फार्मिंग को परिभाषित करते हुए इसकी आवश्यकता और इससे होने वाले लाभों का वर्णन कीजिए।
4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :
   (अ) जैविक बाड़
   (ब) न्यूट्रास्यूटिकल्स
5. ऋतु अनुसार औषध द्रव्यों के प्रयोज्यांगों के संग्रह काल का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. दीमक नियन्त्रण की जैविक विधियों का वर्णन कीजिए।
7. औषध संग्रहणकर्ताओं हेतु सामान्य नियमों का उल्लेख कीजिए।

8. जड़ी-बूटी शोध संस्थान, गोपेश्वर के मुख्य उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $(\frac{1}{2})$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिये :

1. औषधि निर्माण हेतु औषध द्रव्यों का संग्रह किस ओर मुख कर करना चाहिए ?
   (अ) उत्तर मुख
   (ब) दक्षिण मुख
   (स) पश्चिम मुख
   (द) उपर्युक्त सभी
2. किस नक्षत्र में औषध संग्रह करने पर वे प्रबल गुणकारी होती हैं ?
   (अ) पुष्य
   (ब) अश्विनी
   (स) मृगशिरा
   (द) उपर्युक्त सभी
3. देवदारू का मुख्य प्रयोज्यांग है :
   (अ) पत्र
   (ब) काष्ठसार
   (स) मूल
   (द) फल

4. अर्जुन का मुख्य प्रयोज्यांग है :
   (अ) छाल
   (ब) सार
   (स) निर्यास
   (द) पत्र

5. राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड की स्थापना किस मंत्रालय के अन्तर्गत की गई है ?
   (अ) वन मंत्रालय
   (ब) कृषि मंत्रालय
   (स) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

सत्य/असत्य छाँटिए :

6. मनी मार्जिन योजना खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, मुम्बई द्वारा संचालित की जाती है। (सत्य/असत्य)
7. राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम सन् 2012 में प्रारम्भ हुआ। (सत्य/असत्य)
8. ब्राह्मी का व्यावसायिक प्रवर्धन उपरिभूस्तारी विधि द्वारा किया जाता है। (सत्य/असत्य)
9. ऑर्गेनिक फार्मिंग से उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। (सत्य/असत्य)
10. बिल्व फल को औषध प्रयोग हेतु सुपक्व (पका) लेना चाहिए। (सत्य/असत्य)